



भारत का राजपत्र

The Gazette of India

असाधारण

EXTRAORDINARY

भाग II—खण्ड 3—उप-खण्ड (I)

PART II—Section 3—Sub-Section (i)

प्रधिकार से प्रकाशित

PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. 206]

नई दिल्ली, बुधस्पर्तिवार, अप्रैल 26, 2001/वैशाख 6, 1923

No. 206]

NEW DELHI, THURSDAY, APRIL 26, 2001/VAISAKHA 6, 1923

स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय

(स्वास्थ्य विभाग)

अधिसूचना

नई दिल्ली, 26 अप्रैल, 2001

सा.का.नि. 297(अ).—खाद्य अपमिश्रण निवारण नियम, 1955 का और संशोधन करने के लिए कतिपय नियमों का प्रारूप, खाद्य अपमिश्रण निवारण अधिनियम, 1954 (1954 का 37) की धारा 23 की उपधारा (1) की अपेक्षानुसार भारत सरकार के स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय (स्वास्थ्य विभाग) की अधिसूचना सं. सा.का.नि. 464(अ), तारीख 17 मई, 2000 के अधीन भारत के राजपत्र, असाधारण, भाग II, खंड 3, उपखंड (i), तारीख 17 मई, 2000 में प्रकाशित किया गया था जिसमें ऐसे व्यक्तियों से, जिनके उनसे प्रभावित होने की संभावना थी, उस तारीख से, जिसको भारत के उस राजपत्र की प्रतियां जिसमें उक्त अधिसूचना प्रकाशित की गई थी, जनता को उपलब्ध करा दी गई थीं, 60 दिन की अवधि की समाप्ति से पूर्व आक्षेप और सुझाव आमंत्रित किए गए थे;

और भारत के उक्त राजपत्र की प्रतियां तारीख 19 मई, 2000 को जनता को उपलब्ध करा दी गई थी;

और केंद्रीय सरकार ने उक्त नियमों के संबंध में जनता से प्राप्त आक्षेपों और सुझावों पर विचार कर लिया है;

अतः अब केन्द्रीय सरकार, ने उक्त अधिनियम की धारा 23 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केंद्रीय खाद्य मानक समिति से परामर्श करने के पश्चात् खाद्य अपमिश्रण निवारण नियम, 1955 का और संशोधन करने के लिए निम्नलिखित नियम बनाती है, अर्थात् :—

1. (1) इन नियमों का संक्षिप्त नाम खाद्य अपमिश्रण निवारण (पांचवां संशोधन) नियम, 2001 है।

(2) ये राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से छः माह के पश्चात् प्रवृत्त होंगे।

2. खाद्य अपमिश्रण निवारण नियम, 1955 के परिशिष्ट "ख" में मद क-18-12 के पश्चात् निम्नलिखित अंतःस्थापित किया जायेगा, अर्थात् :—

"क 18-12-01—माल्ट आधारित खाद्य (माल्ट खाद्य) से ऐसा उत्पाद अभिप्रेत है, जिसे बीजों (अनाजों और/या फलियों के दाने) के नियंत्रित अंकुरण द्वारा, जिसमें मुख्यतः भिगो कर किया गया अंकुरण और क्लिन शुष्कन प्रक्रियाएं अंतर्बलित हैं, अभिप्राप्त किसी प्रकार के माल्ट (शीरा या आटा या माल्ट निष्कर्ष) को अन्य अनाजों और फलियों के आटे के साथ मिश्रित करके तैयार किया गया है और यह संपूर्ण दुग्ध, दुग्ध चूर्ण, सुवास कारकों, मसालों, पासीकारकों, अंडों, अंडाचूर्ण, प्रोटीन आइसोलेट्स, प्रोटीन हाईड्रोलाइसेट्स, खाद्य सामान्य नमक, द्रव्य ग्लूकोस, सोडियम या पोटेशियम बाइकार्बोनेट, खनिजों, अमीनों अम्लों और विटामिनों से युक्त या रहित होगा। इसमें मिलाई गई शर्करा और/या कोका चूर्ण हो सकेगा और

इसे ऐसी रीति में सुखाकर या घटकों के शुष्क मिश्रण द्वारा प्रसंस्कृत किया जा सकेगा जिससे कि स्टार्ची सामग्री का चूर्ण या दानों या फलेक्स के रूप में पूर्ण या आंशिक हाइड्रोलिसिस सुनिश्चित किया जा सके। माल्ट को तैयार करने में प्रयुक्त अनाज, फलियां और उनके उत्पाद/अदूषित, ग्रसन रहित और कीट अंशों, मूषक मल मूत्र, फफूंदी ग्रस्त अनाज या किसी अन्य प्रकार की कीट या फफूंदी क्षति से मुक्त होंगे।

ये निम्नलिखित मानकों के अनुरूप भी होगा, अर्थात् :—

(क) आर्द्रता	भार में 5 प्रतिशत से अधिक नहीं,
(ख) कुल प्रोटीन (एन × 6.25) (शुष्क आधार पर)	भार में 7.0 प्रतिशत से कम नहीं,
(ग) कुल राख (शुष्क आधार पर)	भार में 5 प्रतिशत से अधिक नहीं,
(घ) अम्ल अविलेय राख (तनु एचसीएल में)	भार में 0.1 प्रतिशत से अधिक नहीं,
(ङ) कुल प्लेट काउंट	प्रति ग्राम 50,000 से अधिक नहीं,
(च) कोलीफार्म काउंट	एक ग्राम में 10 से अधिक नहीं,
(छ) यीस्ट और फफूंदी काउंट	एक ग्राम में 100 से अधिक नहीं,
(ज) इ. कोली	10 ग्राम में लुप्त
(झ) सालमोनेला और शिंगेला	25 ग्राम में लुप्त
(ण) एल्कोहल की अम्लता (एच, एसओ ₄ के रूप में अधिष्यक्त)	0.30 प्रतिशत से अधिक नहीं
90 प्रतिशत एल्कोहल के साथ (शुष्क आधार पर)	

[सं. पी-15014/13/99-पीएच(खाद्य)]

दीपक गुप्ता, संयुक्त सचिव

पाद टिप्पण.— खाद्य अपमिश्रण निवारण नियम, 1955 सा.का.नि. 2105, तारीख 12-9-1955 को भारत के राजपत्र के भाग II, खंड 3, में प्रकाशित किए गए थे और अंतिम बार सा.का.नि. 245 तारीख 4-4-2001 द्वारा संशोधित किए गए थे।

MINISTRY OF HEALTH AND FAMILY WELFARE

(Department of Health)

NOTIFICATION

New Delhi, the 26th April, 2001

G.S.R. 297(E).—Whereas certain draft rules further to amend the Prevention of Food Adulteration Rules were published as required by sub-section (1) of section 23 of the Prevention of Food Adulteration Act, 1954 (37 of 1954), in the notification of Government of India, in the Ministry of Health and Family Welfare (Department of Health), number G.S.R. 464(E), dated the 17th May, 2000 in the Gazette of India, Extraordinary, Part II, Section 3, Sub-section (i), dated the 17th May, 2000 inviting objections and suggestions from the persons likely to be affected thereby before the expiry of a period of sixty days from the date on which copies of the Gazette of India in which the said notification was published, were made available to the public;

And whereas, the copies of the said Gazette of India were made available to the public on the 19th May, 2000;

And whereas, the objections and suggestions received from the public on the said draft rules have been considered by the Central Government;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by section 23 of the said Act, the Central Government, after consultation with the Central Committee for Food Standards, hereby makes the following rules further to amend the Prevention of Food Adulteration Rules, 1955, namely :—

- (1) These rules may be called the Prevention of Food Adulteration (5th Amendment) Rules, 2001.
- (2) These shall come into force after six months from the date of their publication in the Official Gazette.

- 2 In the Prevention of Food Adulteration Rules, 1955, in Appendix 'B', after item A.18.12, the following shall be inserted, namely :—

"A.18.12.01—MALT BASED FOODS (MALT FOOD) means the product obtained by mixing malt (wort or flour or malt extract) of any kind obtained by controlled germination of seeds (cereals and/or grain legumes), involving mainly steeping germination and kiln drying processes with other cereal and legume flour with or without whole milk or milk powder, flavouring agents, spices, emulsifying agents, eggs, egg powder, protein isolates, protein hydrolysates, edible common salt, liquid glucose, sodium or potassium bicarbonate minerals, amino acids and vitamins. It may contain added sugar and/or cocoa powder and processed in such a manner to secure partial or complete hydrolysis of starchy material in the form of powder or granules or flakes by drying or by dry mixing of the ingredients. The grains, legumes and their products used in preparation of malt shall be sound uninfested and free from insect fragments, rat excreta, fungal infested grains or any other type of insect or fungal damage.

It shall also conform to the following standards, namely :—

- | | |
|------------------------------------------------------------------------------------------------------|----------------------------------------|
| (a) Moisture | —Not more than 5 per cent, by weight |
| (b) Total Protein ($N \times 6.25$) (on dry basis) | —Not less than 7.0 per cent, by weight |
| (c) Total ash (on dry basis) | —Not more than 5 per cent, by weight |
| (d) Acid insoluble ash (in dilute HCl) | —Not more than 0.1 per cent, by weight |
| (e) Total plate count | —Not more than 50,000 per gram. |
| (f) Coliform count | —Not more than 10 per gram |
| (g) Yeast and Mould Count | —Not more than 100 per gram. |
| (h) E. Coli | —Absent in 10 gram |
| (i) Salmonella and Shingella | —Absent in 25 gram |
| (j) Alcoholic Acidity (expressed as H_2SO_4)
with 90 per cent alcohol
(on dry weight basis) | —Not more than 0.30 per cent. |

[No. P-15014/13/99-PH(Food)]

DEEPAK GUPTA, Jt. Secy.

Foot Note.— The Prevention of Food Adulteration Rules, 1955 were published in Part II, Section 3 of Gazette of India vide S.R.O. 2105 dated 12.9.1955 and were last amended vide G.S.R. 245(E) dated 4.4.2001.

